EDUCATIONAL Psychology

B.A.(Hons) Part – III
Paper-VI Group (B)
By-Dr. Ramendra Kr. Singh
H.O.D
Deptt of Psychology
D. K. College, Dumraon (Buxar)
V.K.S.U. Ara

SHORT NOTES ON RATING SCALE METHOD

शिक्षा मनोविज्ञान व्यवहारिक मनोविज्ञान (Applied Psychology) की एक प्रमुख शाखा है। इसके अन्तर्गत छात्रों की शीलगुणों एवं उनसे सम्बन्धित अन्य तथ्यों को इकट्ठा करने के लिये कई तरह की अध्ययन विधियों का सहारा लिया जाता है। मूल्यांकन मानदंड विधि (Rating Scale) भी उन्हीं विधियों में से एक महत्वपूर्ण विधि है।

मूल्यांकन विधि एक ऐसी विधि है जिससे व्यक्तित्व के सामान्य शीलगुणों को मापा जाता है। प्रत्येक व्यक्तियों में मौजूद शीलगुणों का अनुपात अलग-अलग होता है। कोई विशेष शीलगुण व्यक्ति में किस अनुपात में है? इसे ही मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन कर निकालता है। इसके आधार पर प्राप्त परिणामों का औसत देखा जाता है। यह एक ऐसी विधि है जिसमें प्रत्येक मात्रा के लिये एक विशेष प्रकार का मूल्य निर्धारित रहता है तथा इसी आधार पर Scale (मानदंड) बनाया जाता है। जैसे यदि हम किसी व्यक्ति के अन्दर मौजूद ईमानदारी शीलगुण को मापना चाहें, तो इसके मूल्यांकन के लिये एक Scale निम्न प्रकार से बना सकते हैं:-

ईमानदारी

मात्रा →	बहुत ईमानदार	ईमानदार	अनिश्चित	बेईमान	बहुत बेईमान
मूल्य	5	4	3	2	1

इस तरह उपरोक्त मानदंड (scale) पर अध्ययन कर्ता बच्चों या छात्र को जैसा आँकता है, वैसा उसपर चिह्न लगा देता है तथा सांख्यिकीय अंक निर्दिष्ट करके उनके व्यक्तित्व के ईमानदारी शीलगुण निकाल लेता है।

मूल्यांकन स्केल (Rating scale) - ये दो प्रकार के होते हैं :-

(A) Trait Conduct rating Scale (आचरण मापदंड)

(B) Trait Behaviour Pattern rating Scale (व्यवहार पैटर्न मानदंड)

जैसा कि उपर्युक्त दोनों रैटिंग स्केल का नामकरण है, इससे उनकी विशेषताएँ एवं स्वरूप स्पष्ट हो जाते हैं। एक से आचरण संबन्धित शीलगुणों को मापते हैं तो दूसरे से व्यवहार पैटर्न मापा जाता है।

रैटिंग स्केल के गुण :-

(1.) इस स्केल के माध्यम से वैयक्तिक गुणों को अच्छी तरह मापा जा सकता है।

(2) यह विधि केवल शिक्षार्थियों के लिये ही उपयोगी नहीं है, बल्कि इससे मूल्यांकनकर्ता की निर्णय शक्ति भी बढ़ती है।

(3) छात्रों की व्यवहार पैटर्न का अध्ययन कर उचित निर्णय लेने में मदद मिलती है।

(4) इससे छात्रों की शिक्षा सम्बन्धित कमियों तथा कमजोरियों को दूर करने में मदद मिलती है।

दोष :- इसके बावजूद ये दोषरहित Scale नहीं है :-

(1.) इसमें मूल्यांकनकर्ता पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर विश्लेषण ठीक से नहीं कर पाता है।

(2) अपने नजदीकी व्यक्ति के विषय में तटस्थ भाव से मूल्यांकन नहीं कर पाता है। मूल्यांकनकर्ता ईमानदारी पूर्वक अपना कार्य का निर्वहन नहीं कर पाता है।

(3) व्यक्तिगत अनुभूतियों का सही मूल्यांकन संभव नहीं है। मानक यदि स्पष्ट न होती है तो इसमें दोष आ जाता है

इसके बावजूद तथ्य संग्रह एवं व्यक्तिगत गुणों की माप में प्रयुक्त Rating Scale का अपना महत्व है, जिसे नकारा नहीं जा सकता।